(c) The security situation of India remains constantly under review and Government will take all measures necessary to cope with any threat that may be posed to the security of the nation.

दोहरी पासपोर्ट प्रणाली को लागू करना

5457. **श्री अजीत जोगी** : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय तथा भारत के अन्य निवासियों को एक से अधिक पासपोर्ट रखने अर्थात् भारतीय पासपोर्ट के साथ-साथ किसी अन्य देश का भी पासपोर्ट रखने की अनुमति है ;

(ख) यदि हां, तो यह प्रणाली कब से लागू की गई है ;

(ग) क्या सरकार ने इस संबंध में कुछ नियम बनाया है ; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर० एल० भाटिया) : (क) जी, नहीं। भारत किसी भी भारतीय राष्ट्रिक को एक ही समय किसी अन्य देश का पासपोर्ट रखने की अनुमति नहीं देता है ।

(ख) से (घ) प्रश्न नहीं उठता ।

विदेशों में हिन्दी के प्रचार पर व्यय की जाने वाली राशि

5458. **श्री ईश दत्त यादव :**
चौधरी हरमोहन सिंह :

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1994–95 में विदेशों में हिन्दी के प्रचार हेतु विदेश मंत्रालय द्वारा कितना बजटीय प्रावधान किया गया है;

(ख) हिन्दी के प्रचार के लिए भारतीय दूतावासों द्वारा क्या-क्या कदम उठाए जा रहे है ; और

(ग) वर्ष 1993–94 के दौरान मंत्रालय द्वारा विभिन्न भारतीय दूतावासों को हिन्दी में कितने पत्र लिखे गए ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर० एल० भाटिया) : (क) विदेश मंत्रालय द्वारा विदेशों में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए वर्ष 1994–95 में 43 लाख रुपए का बजट प्रावधान किया गया था ।

(ख) मंत्रालय की विदेश स्थित अपने मिशनों के माध्यम से हिन्दी के प्रचार-प्रसार की एक सुविचारित योजना है । इस योजना के एक भाग के रूप में हिन्दी शिक्षण से जुड़े स्थानीय शैक्षिक संस्थानों, स्वैच्छिक संगठनों इत्यादि को मानक हिन्दी साहित्य भेजा जाता है जिसमें भारतीय संस्कृति, कला, साहित्य, भाषा, इतिहास, धर्म, दर्शन जैसे विभिन्न विषयों पर हिन्दी में लिखी पुस्तकें शामिल हैं । इन संस्थानों को हिन्दी की पाठ्य पुस्तकें शिक्षण सामग्री जैसेकि चार्ट, श्रव्य-दृश्य कैसेट, टाइपराईटर, कम्प्यूटर, सॉफ्टवेयर भी उपहार स्वरूप भेजे जाते है । मिशन अपनी ओर से स्थानीय संगठनों, भारतीय समुदाय आदि से निकट सम्पर्क बनाए रखते है और इस सामग्री को उपहार स्वरूप देकर उनकी हिन्दी भाषा सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा करते हैं । केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा में हिन्दी पढ़ने के लिए प्रदान की जा रही छात्रवृत्तियों के लिए विदेशी छात्रों से आवेदन पत्र आमंत्रित करने के उद्देश्य से वे स्थानीय विश्व विद्यालयों से भी सम्पर्क रखते हैं । हमारे कुछ मिशन उन स्थानीय छात्रों को, जो हिन्दी का ज्ञान रखते हैं, प्रोत्साहित करने के लिए हिन्दी सम्मेलनों, साहित्यिक गतिविधियों, हिन्दी निबन्ध/वाद प्रतियोगिताओं का आयोजन कर रहे हैं, जबकि कुछ अन्य मिशन हिन्दी सीखने के इच्छुक स्थानीय लोगों के लिए कक्षाओं का आयो-